

प्रेस विज्ञप्ति
नई दिल्ली, 1 दिसंबर, 2021



भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

शीत ऋतु के तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ आउटलुक और
दिसम्बर 2021 के लिए वर्षा पूर्वानुमान

मुख्य अंश

क) तापमान - आगामी सर्दियों के मौसम (दिसंबर 2021 से फरवरी 2022) के दौरान, उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों, दक्षिण और उत्तर पूर्व भारत के अधिकांश हिस्सों और हिमालय की तलहटी के कुछ क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से अधिक होने की संभावना है। उत्तरी आंतरिक प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है केवल उत्तर पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों और उत्तर पूर्व भारत के अधिकांश हिस्सों को छोड़कर जहां अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से अधिक होने की संभावना है।

ख) वर्षा - दिसम्बर 2021 के लिए मासिक वर्षा पांच मौसम संबंधी उपखंडों (तमिलनाडु एवं केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, केरल और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) से युक्त दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में सामान्य से अधिक (दीर्घवधि औसत (एलपीए) का >132% (LPA)) होने की संभावना है।

ग) एसएसटी/SST की स्थिति - वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर क्षेत्र में कमजोर ला नीना की स्थिति प्रचलित है । नवीनतम मानसून मिशन युग्मित पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि आगामी सर्दियों के मौसम के दौरान ला नीना की स्थिति मजबूत होने और इसके मध्यम स्थितियों में रहने की संभावना है । वर्तमान में, हिंद महासागर में तटस्थ आईओडी/IOD की स्थिति प्रचलित है और नवीनतम एमएमसीएफएस/MMCFS पूर्वानुमान से संकेत मिलता है तटस्थ आईओडी/IOD की स्थिति पूर्वानुमान अवधि के दौरान जारी रहने की संभावना है ।

चूंकि प्रशांत और हिंद महासागरों पर समुद्र की सतह के तापमान (एसएसटी/SST) की स्थिति में परिवर्तन भारतीय जलवायु को प्रभावित करने के लिए जाना जाता है, आईएमडी/IMD इन महासागर द्रोणियों पर समुद्री सतह की स्थिति के विकास की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रहा है ।

दिसम्बर, 2021 से फरवरी, 2022 के दौरान तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ आउटलुक और दिसम्बर 2021 के लिए वर्षा पूर्वानुमान

1. पृष्ठभूमि

2016 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी/IMD), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (पृविमं/MoES) गर्म और सर्द दोनों मौसम ऋतुओं के लिए देश भर में उपखंड पैमाने के तापमान के लिए मौसम पूर्वानुमान दृष्टिकोण जारी करता रहा है। ये प्रागुक्तियां पृ.वि.मं. के मॉनसून मिशन परियोजना अंतर्गत विकसित मॉनसून मिशन युग्मित पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस / MMCFS) मॉडल पर आधारित है। इस साल, आईएमडी/IMD ने देश भर में वर्षा और तापमान के मासिक और ऋतुनिष्ठ दृष्टिकोण जारी करने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है। नई रणनीति नवविकसित मल्टी-मॉडल एनसेंबल (एमएमई/MME) पर आधारित पूर्वानुमान प्रणाली है। एमएमई/MME दृष्टिकोण आईएमडी के मॉनसून मिशन युग्मित पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस / MMCFS) मॉडल सहित विभिन्न वैश्विक जलवायु प्रागुक्ति और अनुसंधान केंद्रों से युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीएमएम/CCGM) का उपयोग करता है। आईएमडी ने अब आगामी सर्दियों के मौसम (दिसंबर 2021 से फरवरी 2022) के लिए देश भर में तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ दृष्टिकोण तैयार किया है और इसे खंड 2 में प्रस्तुत किया गया है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में पांच मौसम संबंधी उपखंड (तमिलनाडु एवं केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, केरल और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) शामिल हैं, यहाँ पूर्वोत्तर मानसून के कारण दिसंबर के महीने में महत्वपूर्ण मात्रा में वर्षा होती है। जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, एमएमई आधारित पूर्वानुमान प्रणाली की नई रणनीति का उपयोग करते हुए, आईएमडी ने 2021 के पूर्वोत्तर मानसून ऋतु (अक्टूबर से दिसंबर (ओएनडी/OND)) और अक्टूबर और नवंबर के महीनों के लिए वर्षा के पूर्वानुमान जारी किए थे। अब, आईएमडी ने दिसंबर 2021 के लिए निम्नलिखित मासिक वर्षा पूर्वानुमान दृष्टिकोण तैयार किया है जैसा कि खंड 3 में प्रस्तुत किया गया

क. दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में औसत वर्षा के लिए संभावित पूर्वानुमान

ख. देश में वर्षा के स्थानिक वितरण के लिए संभावित पूर्वानुमान।

2. दिसंबर 2021 से फरवरी 2022 के लिए ऋतुनिष्ठ तापमान पूर्वानुमान

चित्र 1 और चित्र 2 दिसंबर 2021 से फरवरी 2022 (डिजेएफ /DJF) ऋतु के लिए क्रमशः न्यूनतम और अधिकतम तापमान की पूर्वानुमानित संभावनाएँ दिखाते हैं। न्यूनतम तापमान के लिए संभाव्यता पूर्वानुमान (चित्र 1) इंगित करता है कि आगामी सर्दियों के मौसम (दिसंबर 2021 से फरवरी 2022) के दौरान, न्यूनतम तापमान उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों, दक्षिण और उत्तर पूर्व भारत के अधिकांश हिस्सों में और हिमालय की तलहटी के साथ कुछ क्षेत्रों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक होने की संभावना है। उत्तरी आंतरिक प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।

अधिकतम तापमान के लिए संभाव्यता पूर्वानुमान (चित्र 2) इंगित करता है कि उत्तर पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों और उत्तर पूर्व भारत के अधिकांश हिस्सों, जहाँ अधिकतम तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।

3. दिसम्बर 2021 के दौरान मासिक वर्षा के लिए संभावित पूर्वानुमान

दक्षिण प्रायद्वीप भारत में 2021 दिसम्बर में औसत वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घावधि औसत (एलपीए) का >132 %) होने की संभावना है। 1961-2010 के आंकड़ों के आधार पर दिसम्बर माह के दौरान दक्षिण प्रायद्वीप भारत में वर्षा का दीर्घावधि औसत (एलपीए) लगभग 44.54 मि.मी. है।

दिसम्बर की वर्षा के लिए देश भर में टर्सिल वर्षा श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से नीचे) के स्थानिक वितरण के लिए संभावित पूर्वानुमान चित्र 3 में दिखाया गया है। पूर्वानुमान बताता है कि दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना सबसे अधिक है, केवल इस क्षेत्र के उत्तर पश्चिमी भागों और कुछ छोटे हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। पूर्वानुमान यह बताता है कि उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश क्षेत्र में और मध्य तथा उत्तर पूर्व भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। देश के शेष भागों में सामान्य वर्षा होने की संभावना है। मानचित्र में दिखाए गए बिंदुदार (डॉटेड) क्षेत्र दिसम्बर माह के दौरान जलवायु विज्ञान की दृष्टि से बहुत कम वर्षा प्राप्त करता है और भूमि क्षेत्रों के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायु संबंधी संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

4. प्रशांत और हिंद महासागरों में समुद्र सतह तापमान (SST) की स्थितियां

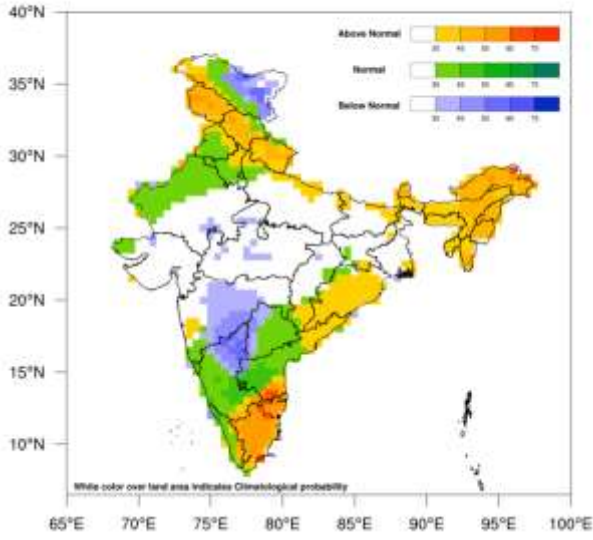
वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर क्षेत्र पर समुद्र सतह तापमान (SST) और वायुमंडलीय स्थितियां कमजोर ला नीना की स्थिति का संकेत देती हैं। एमएमसीएफएस / MMCFS और अन्य वैश्विक मॉडलों के नवीनतम पूर्वानुमान बताते हैं कि आगामी सर्दियों के मौसम के दौरान ला नीना की स्थिति मजबूत होने और इसके मध्यम स्थितियों में रहने की संभावना है।

प्रशांत क्षेत्र में एनसो (ENSO) की स्थिति के अलावा, हिंद महासागर में समुद्र सतह तापमान (SST) जैसे अन्य कारक भी भारतीय मानसून को प्रभावित करते हैं। वर्तमान में, भूमध्यरेखीय हिंद महासागर पर तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी /IOD) की स्थिति प्रचलित है। एमएमसीएफएस/ MMCFS के नवीनतम पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि पूर्वानुमान अवधि के दौरान तटस्थ आईओडी/IOD स्थितियां जारी रहने की संभावना है।

5. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम श्रेणी की पूर्वानुमान सेवाएं

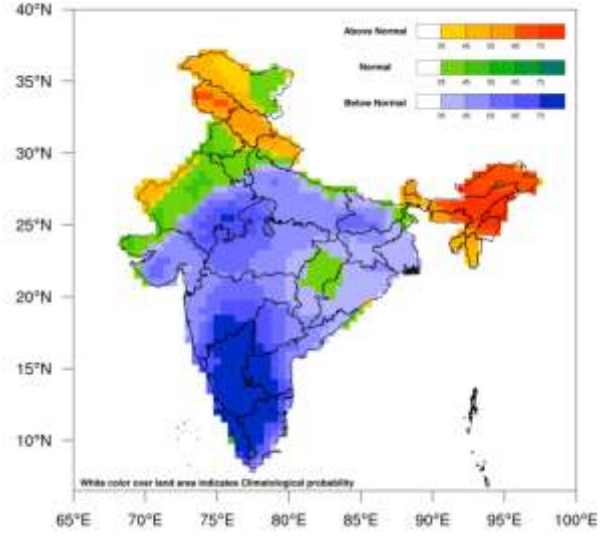
आईएमडी/IMD देश भर में बारिश और अधिकतम और न्यूनतम तापमान के विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (अगले चार हफ्तों के लिए 7 दिन का औसत पूर्वानुमान) भी प्रदान करता है, जिसे प्रत्येक सप्ताह गुरुवार को अपडेट किया जाता है। यह आईएमडी द्वारा वर्तमान में क्रियाशील मल्टी-मॉडल एनसेम्बल गतिकीय विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित है। पूर्वानुमान आईएमडी / IMD वेबसाइट (https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php) पर उपलब्ध है।

Minimum Temperature Outlook for December 2021 to February 2022



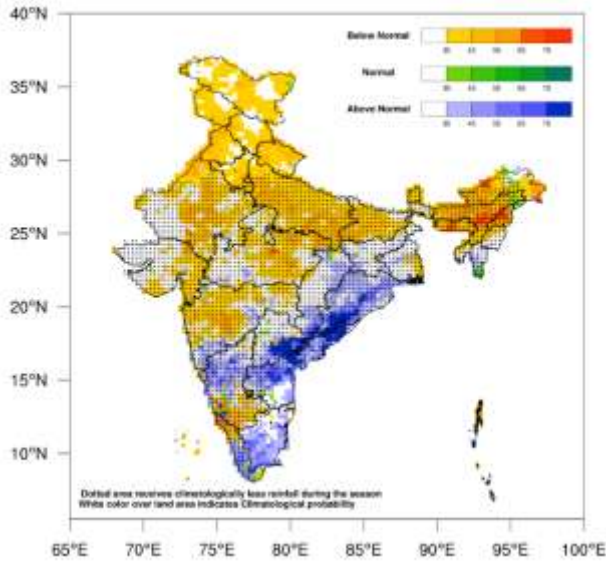
चित्र 1. दिसम्बर 2021 से फरवरी 2022 हेतु न्यूनतम तापमान के लिए संभाव्यता पूर्वानुमान

Maximum Temperature Outlook for December 2021 to February 2022



चित्र 2. दिसम्बर 2021 से फरवरी 2022 हेतु अधिकतम तापमान के लिए संभाव्यता पूर्वानुमान

probability rainfall forecast for 2021 DEC



चित्र 3. भारत में दिसम्बर 2021 की वर्षा के लिए टर्सिल श्रेणियों * (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) की संभावना का पूर्वानुमान। यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभाव्यताओं को भी समझाता है। मानचित्र में दिखाया गया बिंदुदार (डॉटेड) क्षेत्र दिसम्बर माह के दौरान जलवायु विज्ञान की दृष्टि से बहुत कम वर्षा प्राप्त करता है और भूमि क्षेत्र के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायविक संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन संभाव्यताओं को युग्मित जलवायु मॉडलों के एक समूह से तैयार किए गए एमएमई/MME पूर्वानुमान का उपयोग करके प्राप्त किया गया है। (*टर्सिल श्रेणियों में समान जलवायविक संभावनाएं हैं, प्रत्येक की 33.33%)।